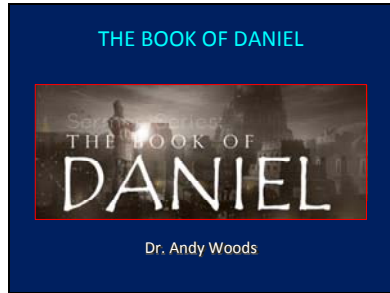


Slide 1



---

---

---

---

---

---

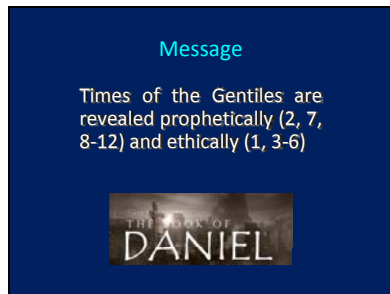
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

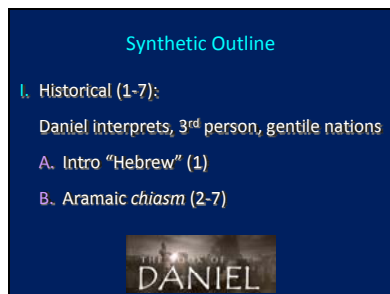
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 4

**Synthetic Outline**

**II. Prophetic (8-12):**  
Angel interprets, 1st person, Jewish nation, Hebrew

- A. Ram & Goat (8)
- B. 70 weeks (9)
- C. Final vision (10-12)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 5

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 6

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 7

Synthetic Outline

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 8

Synthetic Outline

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 9

Statue & Stone



---

---

---

---

---

---

---

---

---



---

Slide 10

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

1. Gentile History (2)  
2. **Protection (3)**  
3. Revelation to a gentile king (4)  
3. Revelation to a gentile king (5)  
2. Protection (6)  
1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---



---

Slide 11

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

1. Gentile History (2)  
2. Protection (3)  
3. **Revelation to a gentile king (4)**  
3. Revelation to a gentile king (5)  
2. Protection (6)  
1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---



---

Slide 12

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

1. Gentile History (2)  
2. Protection (3)  
3. Revelation to a gentile king (4)  
3. **Revelation to a gentile king (5)**  
2. Protection (6)  
1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

CHAPTER & VERSE IN DANIEL	CHRONOLOGICAL DATE	BIBLICAL DATE
1:1	605	3 <sup>rd</sup> year of Jehoiakim
2:1	603	2 <sup>nd</sup> year of Nebuchadnezzar
5	<a href="#">Sat. night 10/12/539 (Hohner)</a>	
7:1	553	1 <sup>st</sup> year of Belshazzar
8:1	551	3 <sup>rd</sup> year of Belshazzar
9:1	538	1 <sup>st</sup> year of Darius
10:1	536	3 <sup>rd</sup> year of Cyrus

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

Daniel's Age		
CHAPTER	EVENTS	AGE
1	Taken to Babylonian captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2nd dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-80's

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

**Chapter 5 Outline**

- I. Belshazzar's contribution to the feast: unrestrained sensuality (1-4)
- II. God's contribution to the feast: the handwriting on the wall (5-6)
- III. Daniel's contribution to the feast: an announcement of doom (7-29)
- IV. Darius's contribution to the feast: the conquest of Babylon (30-31)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

**Chapter 5 Outline**

- I. Belshazzar's contribution to the feast: unrestrained sensuality (1-4)
- II. God's contribution to the feast: the handwriting on the wall (5-6)
- III. Daniel's contribution to the feast: an announcement of doom (7-29)
- IV. Darius's contribution to the feast: the conquest of Babylon (30-31)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 19

**BELSHAZZAR'S CONTRIBUTION v. 1-4**

Use of the Temple Vessels

1. Daniel 1:2
2. Belshazzar's contempt for God
3. Idolatry
4. Is Nebuchadnezzar Belshazzar's father?



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 20

**Chapter 5 Outline**

- I. Belshazzar's contribution to the feast: unrestrained sensuality (1-4)
- II. **God's contribution to the feast: the handwriting on the wall (5-6)**
- III. Daniel's contribution to the feast: an announcement of doom (7-29)
- IV. Darius's contribution to the feast: the conquest of Babylon (30-31)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

**II. God's Contribution to the Feast: The Handwriting on the Wall (5-6)**

- A. The writing v. 5
- B. The reaction v. 6



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

**Chapter 5 Outline**

- I. Belshazzar's contribution to the feast: unrestrained sensuality (1-4)
- II. God's contribution to the feast: the handwriting on the wall (5-6)
- III. Daniel's contribution to the feast: an announcement of doom (7-29)
- IV. Darius's contribution to the feast: the conquest of Babylon (30-31)



© 2014 Study Bible, pp. 107-111

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 23

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. Daniel's summons v. 10-16
- C. Daniel's rebuke v. 17-23
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. Daniel's summons v. 10-16
- C. Daniel's rebuke v. 17-23
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

**Nebuchadnezzar Demands the Revelation & Interpretation (2:2-13)**

- Nebuchadnezzar's command (2:2-3)
- Chaldean's 1<sup>st</sup> response (2:4)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:5-6)
- Chaldean's 2<sup>nd</sup> response (2:7)
- Nebuchadnezzar reaffirms his command (2:8-9)
- Chaldean's 3<sup>rd</sup> response (2:10-11)
- Nebuchadnezzar's order for destruction (2:12-13)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 26

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. **Daniel's summons v. 10-16**
- C. Daniel's rebuke v. 17-23
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 27

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. Daniel's summons v. 10-16
- C. **Daniel's rebuke v. 17-23**
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

**C. Daniel's Rebuke (17-23)**

1. Rejection of the King's gifts v. 17
2. Reminder of Nebuchadnezzar's judgment v. 18-21
3. Rehearsal of Nebuchadnezzar's sins (22-23)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. Daniel's summons v. 10-16
- C. Daniel's rebuke v. 17-23
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28**
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

**D. Daniel Interprets the Writing (24-28)**

1. The message v. 24-25
2. The meaning v. 26-28



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 31

D. Daniel Interprets the Writing (24-28)

1. The message v. 24-25
2. The meaning v. 26-28



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 32

D. Daniel Interprets the Writing (24-28)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

D. Daniel Interprets the Writing (24-28)

1. The message v. 24-25
2. The meaning v. 26-28



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

Aramaic	Noun	Verb
מנא	A "mina" – 60 gold shekels equal 1 mina	"m'nā" To number
תקל	Aramaic spelling of a "shekel" – 1/60 <sup>th</sup> of a mina	"t'qal" To weigh
פרסין	Plural form of פִּרְסַי Half-minas	
פרס	"p'rās" = half-mina "p'āris" = Persia	"p'rās" To break apart

Belshazzar's kingdom was to be taken away from him because he had been weighed in the balance of God's justice and found wanting.

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 35



Statue & Stone

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

### 6 Empires

- Four historical
  - ◆ Babylon (2:36-38) 605-539 BC
  - ◆ Media-Persia (2:39a) 539-331 BC
  - ◆ Greece (2:39b) 331-63 BC
  - ◆ Rome I (2:40) 63 BC – 70 AD
- Two future
  - ◆ Rome II (2:41-43) Tribulation
  - ◆ Kingdom (2:44-45) After 2<sup>nd</sup> Coming

DANIEL

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37

**4 Empires**

- Babylon (2:36-38) 605-539 BC
- Media (2:39a) 539-331 BC
- Persia (2:39a) 539-331 BC
- Greece (2:39b) 331-63 BC



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 38

**III. Daniel's Contribution to the Feast: An Announcement of Doom (7-29)**

- A. Inability of the Chaldeans to interpret v. 7-9
- B. Daniel's summons v. 10-16
- C. Daniel's rebuke v. 17-23
- D. Daniel interprets the writing v. 24-28
- E. Belshazzar rewards Daniel v. 29



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 39

**Chapter 5 Outline**

- I. Belshazzar's contribution to the feast: unrestrained sensuality (1-4)
- II. God's contribution to the feast: the handwriting on the wall (5-6)
- III. Daniel's contribution to the feast: an announcement of doom (7-29)
- IV. Darius's contribution to the feast: the conquest of Babylon (30-31)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 40

IV. Darius's Contribution to the Feast:  
The Conquest of Babylon (30-31)

A. Belshazzar's death v. 30

B. Babylon's fall v. 31



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 41

IV. Darius's Contribution to the Feast:  
The Conquest of Babylon (30-31)

A. Belshazzar's death v. 30

B. Babylon's fall v. 31



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 42

IV. Darius's Contribution to the Feast:  
The Conquest of Babylon (30-31)

A. Belshazzar's death v. 30

B. Babylon's fall v. 31



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 43

Important Lessons (30-31)

1. The historicity of the events
2. The folly of false security
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. A reminder of Babylon's future



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

Important Lessons (30-31)

1. **The historicity of the events**
2. The folly of false security
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. A reminder of Babylon's future



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

Important Lessons (30-31)

1. The historicity of the events
2. **The folly of false security**
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. A reminder of Babylon's future



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46

Important Lessons (30-31)

1. The historicity of the events
2. The folly of false security
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. A reminder of Babylon's future



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 47

Statue & Stone



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 48

Important Lessons (30-31)

1. The historicity of the events
2. The folly of false security
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. A reminder of Babylon's future



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49

**Daniel 2:21 (NASB)**

“It is He who changes the times and the epochs; **He removes kings and establishes kings**; He gives wisdom to wise men And knowledge to men of understanding.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 50

**Important Lessons (30-31)**

1. The historicity of the events
2. The folly of false security
3. The reliability of predictive prophecy
4. The sovereignty of God
5. **A reminder of Babylon's future**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

**Isaiah 13-14**

- Day of the Lord (13:6-9)
- Cosmic disturbances (13:10-13)
- Global judgment (13:11-12)
- Sodom and Gomorrah (13:19)
- Complete and final desolation (13:20-22)
- Universal peace and rest (14:5-8)
- Israel's regeneration (14:1-4)

Morris, Revelation Record, 348.



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

**Isaiah 13/Matthew 24 Connection**

- Isaiah 13:10; Matthew 24:29
- Isaiah 13:12; Matthew 24:21-22

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

**Jeremiah 50-51**

- Sudden destruction (51:8)
- Complete destruction (50:3, 13, 26, 39-40; 51:29, 43, 62)
- No reuse of building materials (51:26)
- Believers flee (50:8; 51:6, 45)
- Israel's regeneration (50:2, 4-5, 20; 51:50)

Dyer, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," 443-49.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54

**Herodotus, *Histories*, 1:191 (450 B.C.)**

"...he conducted the river by a channel into the lake...and so he made the former course of the river passable by the sinking of the stream. When this had been done, the Persians who had been posted for this very purpose entered by the bed of the river Euphrates into Babylon, the stream having sunk so far that it reached about to the middle of a man's thigh...those Babylonians who dwelt in the middle did not know that they had been captured..."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 56

**James Pritchard**  
*The Ancient Near East: Texts Relating to the Old Testament, 315-16.*



Without any battle. . . sparing Babylon . . . any calamity. . . I am Cyrus, king of Babylon. . . When I entered Babylon, under jubilation and rejoicing, troops walked around Babylon, in peace, I did not allow anybody to terrorize (any place) of the [country of Sumer] and Akkad. I strove for peace in Babylon, and in all his (other) sacred cities. . . I returned to (these) sacred cities on the other side of the Tigris, the sanctuaries of which have been in ruins for a long time, the images which (used) to live therein and established for them permanent sanctuaries.

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 57

**James Pritchard**  
*The Ancient Near East: Texts Relating to the Old Testament, 315-16.*



I (also) gathered all their (former) inhabitants and returned (to them) their habitations. Furthermore, I resettled. . . unharmed, in their (former) chapels, the places which make them happy. May all the gods whom I have resettled in their sacred cities ask daily Bel and Nebo for a long life for me. . . all of them I resettled in a peaceful place. . . ducks and doves. . . I endeavoured to fortify/repair their dwelling places. . .

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 58

**Isaiah 13-14**

- Day of the Lord (13:6-9)
- Cosmic disturbances (13:10-13)
- Global judgment (13:11-12)
- Sodom and Gomorrah (13:19)
- **Complete and final desolation (13:20-22)**
- Universal peace and rest (14:5-8)
- Israel's regeneration (14:1-4)

Morris, Revelation Record, 348.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59

**Jeremiah 50-51**

- Sudden destruction (51:8)
- **Complete destruction (50:3, 13, 26, 39-40; 51:29, 43, 62)**
- No reuse of building materials (51:26)
- Believers flee (50:8; 51:6, 45)
- Israel's regeneration (50:2, 4-5, 20; 51:50)

Dyer, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," 443-49.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

**Babylon's History After 539 B.C.**

- Herodotus gives Babylon's measurements (450 B.C.)
- Alexander the Great visits and dies in Babylon (323 B.C.)
- Seleucus seizes Babylon (312 B.C.)
- Strabo pronounces Babylon's hanging gardens as one of "seven wonders of the world" (25 B.C.)
- Babylonians present on Pentecost (Acts 2:9)
- Talmud promulgated from Babylon (A.D. 500)
- Haukal mentions Babylonian village (A.D. 917)
- Babylon known as "Two Mosques" and "Hilah" (A.D. 1100)

Hitchcock and Ice, The Truth Behind Left Behind, 109

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 61



**Dr. John Walvoord**  
*The Nations in Prophecy, 63-64*

“As far as the historic fulfillment is concerned, it is obvious from both Scripture and history that these verses have not been literally fulfilled. The city of Babylon continued to flourish after the Medes conquered it, and though its glory dwindled, especially after the control of the Medes and the Persians ended in 323 B.C., the city continued in some form or substance until A.D. 1000 and did not experience a sudden termination such as anticipated in this prophecy.”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 62

Parallels Between Jeremiah 50-51 & Revelation 17-18		
	Jeremiah	Revelation
Associated with a golden cup	51:7a	17:3-4; 18:6
Dwelling on many waters	51:13	17:1
Intoxicating the nations	51:7b	17:2
Same name	50:1	17:5
Stone sinking into Euphrates	51:63-64	18:21
Sudden destruction	51:8	18:8
Destroyed by fire	51:30	17:16
Final, uninhabitable	50:39	18:21
Deserved	50:29	18:6
God's people flee	51:6, 45	18:4
Heaven rejoices	51:48	18:20

Curtis, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," 441-44.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 63

**Isaiah's Oracles Against the Nations (Isa 13–23)**

1. Babylon (13:1-14:23)
2. Assyria (14:24-27)
3. Philistia (14:28-32)
4. Moab (15-16)
5. Damascus and Samaria (17)
6. Ethiopia (18)
7. Egypt (19-20)
8. Babylon (21:1-10)
9. Edom (21:11-12)
10. Arabia (21:13-17)
11. Jerusalem (22)
12. Tyre (23)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 64

Isaiah's Oracles Against the Nations (Isa 13–23)

1. Babylon (13:1-14:23)
2. Assyria (14:24-27)
3. Philistia (14:28-32)
4. Moab (15-16)
5. Damascus and Samaria (17)
6. Ethiopia (18)
7. Egypt (19-20)
8. Babylon (21:1-10)
9. Edom (21:11-12)
10. Arabia (21:13-17)
11. Jerusalem (22)
12. Tyre (23)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 65

**Darius the Mede?**

**Darius the Mede** – in the Bible, a king of the Medes who succeeded to the throne of Babylonia after Belshazzar. Otherwise unknown outside biblical tradition, it is likely that this Darius has been confused with Cyrus the Persian, who succeeded Belshazzar and decreed (539 B.C.) the return of exiled Jews. He is also mentioned by Herodotus and Josephus.



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 66

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

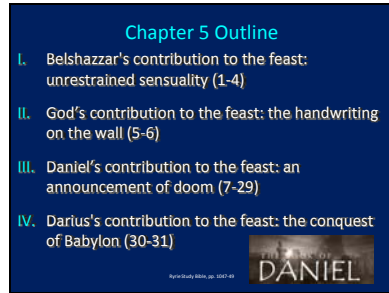
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

## 26-28

Dan. 2:36-This *was* the dream; now we will tell its interpretation before the king.

Dan. 2:38-and wherever the sons of men dwell, *or* the beasts of the field, or the birds of the sky, He has given *them* into your hand and has caused you to rule over them all. **You are the head of gold.**

Dan. 4:18-This is the dream *which* I, King Nebuchadnezzar, have seen. Now you, Belteshazzar, tell *me* its interpretation, inasmuch as none of the wise men of my kingdom is able to make known to me the interpretation; but you are able, for a spirit of the holy gods is in you.

Acts 17:31-because He has fixed a day in which He will judge <sup>[u]</sup>the world in righteousness <sup>[v]</sup>through a Man whom He has appointed, having furnished proof to all men <sup>[w]</sup>by raising Him from the dead.

Heb. 9:27-And inasmuch as it is <sup>[y]</sup>appointed for men to die once and after this *comes* judgment.

## 29

Matt. 6:33-But <sup>[s]</sup>seek first <sup>[t]</sup>His kingdom and His righteousness, and all these things will be <sup>[u]</sup>added to you.

## 30

Prov. 13:15-Good understanding produces favor, But the way of the treacherous is hard.

## 31

1 Cor. 10:12- Therefore let him who thinks he stands take heed that he does not fall.

Dan. 4:28-29-All *this* happened to Nebuchadnezzar the king.  
<sup>29</sup> Twelve months later he was walking on the *roof of* the royal palace of Babylon.

Dan. 2:38-39-and wherever the sons of men dwell, *or* the beasts of the field, or the birds of the sky, He has given *them* into your hand and has caused you to rule over them all. You are the head of gold.<sup>39</sup> After you there will arise another kingdom inferior to you, then another third kingdom of bronze, which will rule over all the earth.

Isa. 44:28-45:1-“*It is I* who says of Cyrus, ‘*He is My shepherd! And he will perform all My desire.*’ And <sup>[x]</sup>he declares of Jerusalem, ‘She will be built,’ And of the temple, ‘<sup>[y]</sup>Your foundation will be laid.’” Thus says the LORD to Cyrus His anointed, Whom I have taken by the right hand, To subdue nations before him And <sup>[a]</sup>to loose the loins of kings; To open doors before him so that gates will not be shut:



John 13:19- From now on I am telling you before *it* comes to pass, so that when it does occur, you may believe that I am *He*.

John 14:29-Now I have told you before it happens, so that when it happens, you may believe.

Dan. 2:21-It is He who changes the times and the epochs; **He removes kings and** <sup>[ab]</sup>**establishes kings**; He gives wisdom to wise men And knowledge to <sup>[ac]</sup>men of understanding.

2 Sam. 12:24-25-Then David comforted his wife Bathsheba, and went in to her and lay with her; and she gave birth to a son, and <sup>[k]</sup>he named him **Solomon**. Now the LORD loved him <sup>25</sup> and sent *word* through Nathan the prophet, and he named him <sup>[l]</sup>**Jedidiah** for the LORD'S sake.

## **Conclusion**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'